

**आत्मजिज्ञासा स्त्री.** (तत्.) [आत्म+जिज्ञासा] अपने विषय में या आत्मा के विषय में जानने की इच्छा।

**आत्मजिज्ञासु वि.** (तत्.) [आत्म+जिज्ञासु] 1. अपने विषय में जानने की इच्छा रखने वाला। 2. स्व के विषय में चिंतनशील।

**आत्मज्ञ पुं.** (तत्.) 1. जिसने स्वयं को जान लिया हो 2. आत्मज्ञानी, आत्मा और परमात्मा के ज्ञान से संपन्न।

**आत्मज्ञान पुं.** (तत्.) 1. आत्म साक्षात्कार 2. आत्मा और परमात्मा का ज्ञान, ब्रह्म का साक्षात्कार 3. अपने को जानना।

**आत्मज्ञानी पुं.** (तत्.) 1. जिसने आत्म साक्षात्कार कर लिया हो, जिसने स्वयं को जान लिया हो 2. आत्मा और परमात्मा के ज्ञान से संपन्न। आत्मज्ञ।

**आत्मतंत्र वि.** (तत्.) [आत्म+तंत्र] स्वाधीन, स्वतंत्र, आजाद, जो किसी के अधीन न हो।

**आत्मतत्त्व (आत्मतत्त्व) पुं.** (तत्.) 1. आत्मा का रहस्य, आत्मा का स्वरूप 2. जीवात्मा तथा परमात्मा का स्वरूप या रहस्य।

**आत्मतत्त्वज्ञ वि.** (तत्.) जीवात्मा तथा परमात्मा के रहस्य को जाननेवाला।

**आत्मतादात्म्य पुं.** (तत्.) [आत्म+तादात्म्य] मनो. ऐसा मनोभाव, जिसके आधार पर व्यक्तित्व बदलने के बावजूद व्यक्ति विशेष अपने आप को यथावत समझता है, स्वयं को अविभक्त समझने वाला।

**आत्मतुष्ट वि.** (तत्.) [आत्म+तुष्ट] आत्मज्ञान प्राप्त करके परम संतोष प्राप्त करने वाला, आत्म संतोषी।

**आत्मतुष्टता स्त्री.** (तत्.) [आत्म+तुष्टता] अपने आप को होने वाला संतोष, आत्मज्ञान द्वारा प्राप्त संतोष, आत्म संतोष।

**आत्मत्याग पुं.** (तत्.) [आत्म+त्याग] परोपकार का कार्य, स्वयं के हित का त्याग, स्वार्थ त्याग।

**आत्मत्राण पुं.** (तत्.) [आत्म+त्राण] अपनी रक्षा, आत्म रक्षा, अपनी हिफाजत।

**आत्मदर्शन पुं.** (तत्.) [आत्म+दर्शन] 1. आत्म साक्षात्कार, आत्मज्ञान 2. परमात्मा का साक्षात्कार, परमात्मा का ज्ञान।

**आत्मदाह पुं.** (तत्.) [आत्म+दाह] स्वयं को जलाना, अपने शरीर को आग लगाना (किसी विवाद के विरोध स्वरूप)।

**आत्मद्रोह पुं.** (तत्.) [आत्म+द्रोह] 1. स्वयं को हानि पहुँचाना 2. स्वयं अपने साथ की जाने वाली शत्रुता।

**आत्मद्रोही वि.** (तत्.) अपनी हानि करने वाला, स्वयं अपने को ही हानि पहुँचाने वाला, आत्मघाती।

**आत्मनिंदा स्त्री.** (तत्.) [आत्म+निंदा] अपनी निंदा, अपने लिए अभद्र शब्द।

**आत्मनियंत्रण पुं.** (तत्.) [आत्म+नियंत्रण] स्वयं पर संयम, अपने पर काबू, अपने पर नियंत्रण।

**आत्मनिरीक्षण पुं.** (तत्.) [आत्म+निरीक्षण] स्वयं को परखना, अपने दोषों, गुणों आदि को समझने का प्रयत्न, अपने स्वभाव की समीक्षा।

**आत्मनिर्णय पुं.** (तत्.) [आत्म+निर्णय] 1. भविष्य के विषय में स्वयं निर्णय 2. अपनी नीति और अपने नियम स्वयं निर्धारित करना (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है कि, प्रत्येक राष्ट्र आत्मनिर्णय के लिए स्वतंत्र) है।

**आत्मनिर्देशन पुं.** (तत्.) [आत्म+निर्देशन] अपने आप का मार्ग दर्शन, कार्य-कलाप के लिए स्वयं को निर्देश।

**आत्मनिर्भर वि.** (तत्.) [आत्म+निर्भर] भरण-पोषण के लिए स्वयं पर निर्भर रहने वाला, स्वावलम्बी, खुदकफ़ील

**आत्मनिर्भरता स्त्री.** (तत्.) [आत्म+निर्भरता] स्वयं अपना भरण-पोषण, स्वावलंबिता, खुदकफ़ीली।